

GEETA NIKETAN COLLEGE OF NURSING

Recognised by HNRC Panchkula (Govt. of Haryana) Affiliated by Pt. B.D. Sharma U.H.S. Rohtak

REGISTRATION OPEN

Session 2026-27

AC HOSTEL Facility Available

P.B. B.Sc. NURSING

2 Years GNM Pass

GNM

3 Years 12th Any Stream

No Fees for S.C. Students

ANM

2 Years 12th Any Stream

No Fees for S.C. Students

B.Sc. NURSING

4 Year | 10+2 (Medical)

Loharu Road, Charkhi Dadri

M. 9812538777, 9034669933



खबर संक्षेप

नाबालिग छात्रा घर से लापता, मामला दर्ज

लोहारू। उपमंडल के एक गांव से 17 वर्षीय नाबालिग छात्रा के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। छात्रा के पिता की शिकायत पर लोहारू पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण कर अवैध रूप से बंधक बनाने का मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में छात्रा के पिता ने बताया कि उसकी 17 वर्षीय बड़ी बेटी घर से लापता हो गई है। उसकी तलाश की जाए। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आज भी पांच घंटे बंद रहेगी बिजली आपूर्ति

लोहारू। बिजली निगम द्वारा इन दिनों बिजली वितरण की संशोधित योजना के तहत बिजली लाइनों पर काम किया जा रहा है। उसी कड़ी तीन अगस्त को शहर के कई हिस्सों में बिजली आपूर्ति सुबह 5 बजे से 10 बजे तक बाधित रहेगी। बिजली निगम एसडीओ मनोज कुमार ने बताया कि 33 केवी सब-स्टेशन गिगनाऊ से संचालित 11 केवी लोहारू सिटी अर्बन फीडर, गोशाला फीडर, 11 केवी गोशाला एपी फीडर दस बजे तक बंद रहेंगे। नवनिर्मित 33 केवी लोहारू सब-स्टेशन के लिए अलग फीडर स्थापित करने हेतु रेलवे स्टेशन के समीप नए विद्युत पोल एवं लाइन बिछाने का कार्य किया जाएगा। कोर्ट कॉलोनी एवं कोर्ट कॉम्प्लेक्स क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति सामान्य रूप से चालू रहेगी।

हादसों को न्योता दे रहे हैं शहर के खुले नाले

कई जगह खुले पड़े हैं नाले, शिल्ट के कारण सड़कों पर बह रहा पानी

कई बार प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत की गई,लेकिन अभी इन नालों को ढकने या दुरुस्त करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है



हरिभूमि न्यूज़►►मिवानी

वैसे तो शहर में अधिकांश जगहों पर नाले खुले मुंह बाए पड़े हैं,लेकिन अंदरूनी शहर में बने नाले खुले होने की वजह से हमेशा दुर्घटना घटने का अंदेश बना हुआ है। सबसे बुरी स्थिति शहर के भीतरी इलाकों की बनी है। वहां पर करीब तीन से चार फुट गहरे नाले खुले हैं। जरा सी बारिश आते ही इन नालों में पानी बहता है।

कभी भी इन खुले नालों में दोपहिया ही नहीं श्री व फोरव्हीलर तक के वाहन गिर कर दुर्घटनाग्रस्त हो सकते है। चूंकि अब बारिश का मौसम है। कभी भी

बारिश आ सकती है। हैरानी की बात यह है कि इस बारे में कई बार प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत की गई,लेकिन अभी इन नालों को ढकने या दुरुस्त करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। जानकारी के अनुसार एमसी

कॉलोनी के पास से गुजर रहे नाला पूरी तरह से खुला है। जो कि तीन से चार फुट तक गहरा है। केवल गली व सड़कों के लिए ही पुलिया बनी हुई है,लेकिन बाकी जगहों पर कहीं पर ढका हुआ नहीं है। जिस वजह से कभी भी कोई वाहन या

व्यक्ति गिर कर चोटिल हो सकता है। विगत में कई बार आवारा पशु इनमें गिर कर खम्भी हो चुके है। इसी तरह मानान पाना इलाके में भी अनेक नाले ऐसे है। जिन पर कहीं पर भी कोई स्लैब नहीं डाला हुआ है। जिस वजह से इन नालों



बवानीखेड़ा। नशे के प्रति जागरूक करते थाना प्रभारी सुरेश कुमार । फोटो : हरिभूमि

नशा मुक्त हरियाणा की अलख जगाने उतरे केमिस्ट

हरिभूमि न्यूज़►►बवानीखेड़ा

नशे के खिलाफ जंग में अब दवा व्यापारी भी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो गए हैं। नशा मुक्त हरियाणा अभियान के तहत भिवानी जिले के 'करीब 70 केमिस्ट' ने नशे की रोकथाम का संकल्प लिया। बवानीखेड़ा के बाला जी मेडिकल हाल द्वारा स्वयं के निज निवास स्थान पर आयोजित कार्यक्रम में थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने केमिस्ट कैशियर एसोसिएशन के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस दौरान जिले के केमिस्ट कैशियर महेश महता, नीरू महता, जगदंबा महता, बिशंबर भुटानी, सुनील टुट्टेजा, गौरव धमीजा, महेश मिनीचा, आशु, संदीप, प्रिंस, विकास, मिथुन सहित अनेक केमिस्ट मौजूद रहे।

थाना प्रभारी ने कहा कि नशा छोड़ो जीवन जोड़ो का संदेश हर घर तक पहुंचाना है। उन्होंने गहनता से बताया कि नशा न केवल व्यक्ति

बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। नशीली दवाओं की अवैध बिक्री पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम के अंत में सभी सहयोगी केमिस्टों को सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने और युवाओं को नशे से बचाने का प्रण लिया व उपस्थितजनों को नशा छोड़ो जीवन जोड़ो का मैमोटो भी भेंट किया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि नशा बेचने वालों पर नजर रखें और उनकी सूचना दें।

थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने नशे के खिलाफ दिलवाई शपथ

परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है नशा : थाना प्रभारी

रहड़ौदी में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से कश्मीर को समिति का अध्यक्ष चुना

बाढ़ड़ा। ग्राम पंचायत रहड़ौदी में रविवार को सरपंच सुनील कुमार की अध्यक्षता में आयोजित ग्राम सभा में गांव के विकास, जनहित के कार्यों और पंचायत की भावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विकास कार्यों की निगरानी, जनसमस्याओं के समाधान, किसान-मजदूर हितों की रक्षा तथा पंचायत के साथ बेहतर समन्वय के उद्देश्य से समिति गठन का प्रस्ताव रखा गया। ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से कश्मीर को समिति का अध्यक्ष चुना तथा 24 सदस्यीय समिति का गठन किया। समिति में धर्मपाल, रामनिवास, वीरेंद्र, धर्मवीर, सुलतान, मुकेश पंडित, हरिकिशन, सुरेंद्र सिंह, नरेश, प्रकाश, रतन सिंह, रामअवतार, अरारसिंह लाम्बा, रमेश, हवासिंह, राजकुमार, महाबीर, कुलदीप, रणबीर और महावीर पंच सहित अन्य ग्रामीण शामिल किए गए। भारतीय किसान मजदूर संगठन के जिला अध्यक्ष राजकुमार हड़ौदी ने पंचायत में पारदर्शिता और जनभागीदारी पर जोर दिया। बैठक में पेयजल, स्वच्छता, गलियों की मरम्मत, जल निकासी तथा अन्य विकास कार्यों को प्राथमिकता देने पर भी सहमति बनी।

पत्नी की हत्या के मामले में पुलिस ने फरार आरोपी पति को किया गिरफ्तार

बवानीखेड़ा। पुलिस ने पत्नी की हत्या के मामले में फरार आरोपी पति रामकिशन को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका दर्शना देवी के बेटे हंसराज ने शिकायत में बताया था कि उसके पिता अक्सर उसकी मां के साथ मारपीट करते थे।

■ आरोपी ने मारपीट के बाद बिजली का करंट लगाकर की थी पत्नी की हत्या

आरोप है कि 1 अगस्त को रामकिशन ने मारपीट के बाद बिजली का करंट लगाकर दर्शना देवी की हत्या कर दी। सूचना मिलने पर हंसराज घर पहुंचा तो उसकी मां मृत अवस्था में मिली। शिकायत के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की और उसे बवानीखेड़ा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्यवाही कर रही है।

आपातस्थिति में गर्भवती महिला के लिए तीन युवाओं ने किया रक्तदान

भिवानी। मानवता की सेवा और सामाजिक सरोकार की अमूल्य मिसाल पेश करते हुए तीन रक्तदाताओं ने आपात स्थिति में गर्भवती महिला के इलाज के लिए रक्तदान कर उसकी जान बचाई। अस्पताल में गर्ती गर्भवती महिला के इलाज के दौरान बी पॉजिटिव रक्त की आवश्यकता पैदा हुई। सूचना मिलते ही तीनों रक्तदाता बिना समय गंवाए अस्पताल पहुंचे और तीन यूनिट रक्तदान कर महिला के परिजनों को राहत दी। रक्तदान करने वालों में संदीप दिगोडिया ने 15वीं बार रक्तदान कर अपनी निरंतर सेवा की प्रतिबद्धता को दर्शाया। वहीं विद्याधर ने छठी बार समाजसेवा की राह पर कदम बढ़ाए और सबसे प्रेरणादायक 47 वर्षीय सज्जन सिंह ने पहली बार रक्तदान कर साबित किया कि समाजसेवा और किसी की जान बचाने को उम्र का कोई बंधन नहीं होता। तीनों रक्तदाताओं को शतकवीर रक्तदाता राजेश डुड्डेजा ने स्मृति चिह्न एवं धन्यवाद पत्र देकर सम्मानित किया। डुड्डेजा ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है, क्योंकि ये किसी मरते हुए व्यक्ति को जीवनदान देता है, जब गर्भवती महिला को आपात स्थिति में बी पॉजिटिव रक्त की सख्त जरूरत थी, इन तीनों युवाओं ने जिस तत्परता और निःस्वार्थ भाव से आगे आकर रक्तदान किया, जो बेहद प्रशंसनीय है। खासतौर पर 47 वर्ष की उम्र में सज्जन सिंह ने पहली बार रक्तदान करना समाज के उन तमाम लोगों के लिए बड़ा संदेश है, जो किसी न किसी भाति के कारण रक्तदान करने से हिंझाते हैं। रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित है और इससे शरीर में नया रक्त बनता है तथा कई बीमारियों से बचाव भी होता है।



पंचायत प्रतिनिधियों की मांग पर विधायक उमेश पातुवास के प्रयासों से सीएम कार्यालय से भवन की मंजूरी मिली, जिसके बाद लोक निर्माण विभाग ने निर्माण प्रक्रिया शुरू कर दी। कार्यक्रम के दौरान आयोजित पहली राष्ट्रीय अंडर-17 यूथ फुटबॉल चैंपियनशिप 2026-27 में धर्मा फाउंडेशन के सहयोग से दिल्ली के हॉस्प फुटबॉल क्लब का प्रतिनिधित्व करते हुए अलखपुरा की खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन

सरपंच प्रतिनिधि ने 55 लाख रुपये की योजना का किया शिलान्यास

बाढ़ड़ा। गांव काकड़ौली सरदारों में स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वीकृत 55 लाख रुपये की लागत से बनने वाले हेल्थ सब सेंटर भवन का शिलान्यास सरपंच प्रतिनिधि रणबीर सिंह रोहिल्ला ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नया भवन बनने से काकड़ौली सरदार, काकड़ौली हट्टी, काकड़ौली हुक्मी सहित आसपास के चार गांवों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। लंबे समय से हेल्थ सब सेंटर किराए के दो कमरों में संचालित होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

परम संत कंवर साहेब महाराज ने प्रवचनों से किया निहाल

सतगुरु की कृपा से ही जीव की अज्ञान-निद्रा टूटती

हरिभूमि न्यूज़►►मिवानी

राधा स्वामी आश्रम दिनोद में आयोजित विशाल सत्संग में परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने संत कबीर साहेब के शब्द अब में भुला रे भाई, भरे सतगुरु अलख जगाई का आध्यात्मिक सार समझाते हुए कहा कि जीव अनादिकाल से माया, अहंकार, मोह और विषय-विकारों में भटकता रहा है,जब तक पूर्ण सतगुरु की कृपा नहीं होती तब तक उसे अपने वास्तविक स्वरूप व परमात्मा की पहचान नहीं हो सकती।

उन्होंने कहा कि कबीर साहेब ने भुला शब्द उस जीव की अवस्था का प्रतीक बताया है, जो संसार की क्षणभंगुर वस्तुओं को ही अपना सब



भिवानी। राधा स्वामी आश्रम दिनोद में श्रद्धालुओं को प्रवचन देते परमसंत कंवर साहेब महाराज । फोटो : हरिभूमि

कुछ मान बैठा और अलख जगाई का अर्थ है कि सतगुरु जीव के भीतर उस दिव्य चेतना की जागृत कर देते हैं, जिससे उसे सत्य, आत्मा व परमात्मा

का बोध होने लगता है, यही मनुष्य जीवन का वास्तविक उद्देश्य है। परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने कहा कि सतगुरु केवल उपदेश नहीं

देते, बल्कि जीवन की दिशा बदल देते हैं, उनकी शरण में आने वाला व्यक्ति धीरे-धीरे क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार से ऊपर उठकर प्रेम, सेवा, विनम्रता और नाम-सुमिरन के मार्ग पर अग्रसर होता है। जब अंतर्मन में प्रभु-प्रेम जागता है, तब संसार के आकर्षण स्वतः फीके पड़ने लगते हैं। उन्होंने साध-संगत को प्रेरित करते हुए कहा कि सत्संग केवल सुनने की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन में उतारने का संदेश है। मनुष्य गुरू-वचनों पर चलकर नियमित नाम-सुमिरन, सेवा और सत्संग को अपनाए तो उसका जीवन शांत, संतुलित और सार्थक बन जाता है। मनुष्य गृहस्थ जीवन के समस्त दायित्व निभाते हुए भी परमात्मा की ओर निरंतर बढ़ सकता है।

वास्तविक जागृति बाहर नहीं नीतर : कंवर साहेब

उन्होंने कहा कि वास्तविक जागृति बाहर नहीं, नीतर होती है। जब सतगुरु अंतःकरण में ज्ञान का द्वीप प्रज्वलित करते हैं तभी अज्ञान का अंधकार समाप्त होता है और जीव अपने परम लक्ष्य की ओर बढ़ता है। सत्संग के अंत में परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने सभी श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे मानव जीवन की अमूल्य निधि को व्यर्थ न गंवाएं, बल्कि सेवा, सत्संग, नाम-सुमिरन, सदाचार और गुरु-आज्ञा के पालन को अपने जीवन का आधार बनाकर आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करें। इस अवसर पर विभिन्न राज्यों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने सत्संग का आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

ऑनलाइन धोखाधड़ी के तीन केस दर्ज, पुलिस कर रही जांच

लोहारू। लोहारू थाना पुलिस ने मई और जून माह में हुई ऑनलाइन ठगी के तीन अलग-अलग मामलों में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शहर के वार्ड नंबर-1 निवासी संदीप ने शिकायत दी कि 24 मई 2026 को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर एक लाख रुपये का लोन दिलाने का झांसा दिया। आरोपी ने ऑनलाइन स्कैनर भेजकर पहले 990 रुपये फाइल चार्ज के नाम पर जमा करवाए और बाद में धोखे से 39,538 रुपये ठग लिए। दूसरे मामले में वार्ड नंबर-2 निवासी आशीष ने बताया कि 20 जून को इंस्टाग्राम पर विज्ञापन देखकर उसने व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क किया और दी गई यूपीआई आईडी पर 11,120 रुपये भेज दिए। भुगतान के तुरंत बाद उसका नंबर ब्लॉक कर दिया गया।

तीसरे मामले में गांव दसकोरा निवासी विजेंद्र ने शिकायत दी कि 14 जून को अज्ञात साइबर ठगों ने मोबाइल नंबर हैक कर उसके एसबीआई क्रेडिट कार्ड से 81,444 रुपये निकाल लिए। इनमें से 46,575 रुपये वापस मिल गए, जबकि शेष राशि अब तक बरामद नहीं हुई। तीनों मामलों में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच तेज कर दी है। थाना प्रभारी सत्यनारायण ने लोगों से अपील की कि अनजान कॉल, लिंक, व्क्यूआर कोड और यूपीआई लेनदेन से सतर्क रहें।

सावन के लोकगीतों में प्रकृति, प्रेम और परिवार

हरियाणवी लोकगीतों में सावन मास का वर्णन कोई सामान्य ऋतु-वर्णन नहीं है। यह हरियाणवी जनमानस का प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन और एक संपूर्ण दार्शनिक विवेचन है।



लोक साहित्य

आंचल शर्मा

लोक साहित्य किसी भी प्रदेश की माटी की वह जीवंत धड़कन होता है, जिसमें जनमानस के सुख-दुःख, आशा-निराशा और प्रकृति के साथ उनके अटूट रगात्मक संबंध गुँजते हैं। हरियाणवी लोकगीतों की समृद्ध परंपरा में सावन का विशेष दार्शनिक और सांस्कृतिक महत्व है। ग्रीष्म ऋतु की झुलसा देने वाली गर्मी के बाद जब आसमान में काले-कजारे बादल फिर आते हैं और धरती की प्यास बुझती है तो केवल प्रकृति ही नहीं, बल्कि संपूर्ण लोक-जीवन उल्लास से भर उठता है।

सावन के लोकगीतों में प्रकृति का यह अभिनन्दन केवल बाह्य सौंदर्य का वर्णन नहीं है, अपितु यह मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक ताने-बाने और लोक-दर्शन का एक गहरा काव्यात्मक विवेचन है। सावन के हरियाणवी लोकगीतों के व्यापक संदर्भों में प्रकृति, मनुष्य और समाज के इस अद्वैत संबंध को विस्तार से समझा जा सकता है। सावन का महिना आते ही हरियाणवी जनजीवन में एक नई



ऊर्जा का संचार हो जाता है। जब हरियल बागों में झूल पड़ते हैं तो प्रकृति की हरी-भरी चादर पर लोको-संस्कृति के सतरंगी प्रधान अपनी छटा बिखरते हैं। लोकगीतों में झूलते समय पहने जाने वाले पारंपरिक वस्त्रों का वर्णन बहुत ही भव्य और अतिशयोक्तिपूर्ण सौंदर्य के साथ किया गया है। नायिका के घाघरे का विस्तार और भव्यता सीधे ही पर सावन के उल्लास की विशालता को दर्शाती है। लोककंठ इस सांस्कृतिक शृंगार का गान कुछ इस प्रकार करता है -

साठ जाली हाँ मरी झूलणा जी
पडाय पिंजोला हरियल बाग में जी
अस्सी गज का हाँ मरी घाघरा जी
उसमें कली सैं तीन सौ साठ जी
कहाँ अस्सी गज का घाघरा और तीन सौ साठ
कियाँ केवल वस्त्र का माप नहीं है, बल्कि ये उस मृगता, समृद्धि और खुशी के प्रतीक हैं जो सावन अपने साथ लेकर आता है। प्रकृति के हरे रंग के बीच इन लोक-परिधानों का घुमना एक ऐसा दृश्य उकेरता है, जहाँ मनुष्य और प्रकृति एक ही लय में नृत्य करते हुए प्रतीत होते हैं। सावन के ये झूल केवल आनंद का साधन न होकर एक ऐसा सामाजिक मंच है जहाँ उम्र, रंग और जाति के सभी भेद मिट जाते हैं। हरियाणावी लोकगीतों में एक सबसे बड़ी विशेषता है कि यहाँ उत्सवों में एक गहरी सामाजिक समरसता देखने

को मिलती है। बागों में झूलने के लिए हर आयु और हर रूप-रंग की स्त्रियाँ एक साथ एकत्रित होती हैं। प्रकृति किसी भी भेद नहीं करती, उसकी चर्चा गौर और सावले, पंढ़र और बीस वर्ष की आयु वालों पर समान रूप से होती है। इसी दार्शनिक भाव को अपनाते हुए हरियाणवी समाज की विभिन्न जातियाँ भी इन झूलों के एक साथ अपना उल्लास साझा करती हैं। झूलों और बागों का वर्णन एक उत्सव की तरह किया जाता है, जहाँ सामाजिक समता स्पष्ट रूप से मुखरित होती है -

*सांमण आया है माँ मेरी सुण्या जी
हां जी कोए आई है नवेली तीज
पड़ी ए पंजाली हरियाल बाग में जी*
यह उल्लास सभी वर्गों को एक सूत्र में जोड़ता है -

*एक दस झूले बाष्मण बाणिया ये जी
हां जी कोए दस रोंछड़ और राजपूत
बिच बिच झूले कंवर निहालदे जी*
हरियाणवी लोक संस्कृति में सावन का सबसे बड़ा पर्व होती है। प्रकृति जब अपने पूरे यौवन पर पर्व है तब तीज का आगमन होता है -

*तीजां का त्योहार रितु सै सांमण की
खड़ी झूल पै मटके छोहर री बाष्मण की*
तीज और सावन के लोकगीतों में मायके का विशेष स्थान है। पिता, भाई और भतीजे के घर में झूला डालने का जो क्रम लोकगीतों में

दर्शाया गया है, वह पीढ़ियों के विस्तार और मायके से जुड़े स्नेह की दशाता है। वर्षा की इन बूंदों का अत्यंत सूक्ष्म और लयबद्ध चित्रण भी मिलता है -
 - *नानी नानी बुंदियां हैं सावन का मेरो झूलणा*
एक झूला डाला मैंने बाबल के राज में
संग की सहेली हैं सावन का मेरो झूलणा
 यह बाबल का राज एक प्रकार का राजशाही सुख है जहां बेटियों की असीम स्वतंत्रता प्राप्त होती है। यहां सावन की बूंदें उनके मन की प्रसन्नता के अहलाद को और भी अधिक बढ़ाती हैं -
 - *नानी नानी बुंदियां मीयां बरसता है जी*
हां जी काहे चारों दिसा पड़ेगी फुवार
हां जी काहे सामण आया सुघड़ सुहावणा
संग की सहेली मां मेरी झूलती जी
 सावन के लोकगीतों में बड़ी घटनाओं के साथ सावन के सूक्ष्म प्राकृतिक परिवर्तनों को भी शब्दों में पिरोया गया है। जब वर्षा शुरू होती है और संधियां भाने लगती हैं तो नायिका की विवशता एक बहुत ही सुंदर बिंब का निर्माण करती है -
 - *सखी सहेली मां मेरी भाजगी जी*
हां जी काहे हम तै तो भाज्या ना जाय
पग की है पायल उलझी दूब में जी
 नायिका के सौंदर्य का वर्णन करते हुए लोककवि प्रकृति के सबसे सशक्त प्रतीकों का उपयोग करता है। एक नायिका की मीठी वाणी की तुलना प्रकृति के सबसे सुरीले पक्षी से की जाती है -
 - *मीठी बोली तेरी से जणो काँय जामन में*
तेरी दामन में लिसकार उठै चमक रिहा घोंटा
लज लज के जावे से योह जामन की डाली
 शारीरिक सौंदर्य को व्यक्त करने के लिए भी प्राकृतिक उपमाएं बहुत ही सहजता से दी गई हैं -
 - *तेरे दुंगे पैलटके काला नाग सा मोटा*
मीठी मोटी ओंखियां के मोहां डोरा प्याही का
चंदरमा सा मुखड़ा तेरा जणों नूर का लोटा
 तीज के अवसर पर ससुराल से मायके जाने के लिए किसी का लिवाने आना एक आवश्यक रस्म रही है। पारिवारिक पदानुक्रम और नायिका की इच्छा का यह द्वंद इन पंक्तियों में स्पष्ट दिखाई देता है -
 - *बूढ़ा आया है मां मेरी लेण नै जी, हां जी कोये ना*
जां बुढ़े के साथ
जेठा आया है मां मेरी लेण नै जी, हां जी कोये ना
जां जंटे के साथ

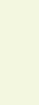
देवर आया ह मां मेरी लेण नै जी, हां जी कोये न जां पाली के साथ
कन्था आया ह मां मेरी लेण नै जी, हां जी कोये इब
जां कन्थे के साथ
यहां ससुर या जेट के साथ जाने में नायिका संकोच
करती है, परंतु पति के आने पर उसकी प्रसन्नता
छलक उठती है। यह हरियाणवी समाज की
परिवारिक संरचना का एक प्रामाणिक दस्तावेज
है। उत्सवों के बीच भी जीवन का कठोर यथार्थ
कभी लुप्त नहीं होता। सावन का उल्लास जहां प्रेम
और मिलन के गीत गाता है, वहीं घर की दहलीज
के भीतर चल रही सास-बहू की खींचतान भी इन
लोकगीतों का अभिन्न अंग है। बहू की यह बगावत
लोक-जीवन की उस खी-चेतना का साक्षात्
प्रमाण है जो अपने जनो और सम्मान के लिए
अबाध उठाना चाहती थी। प्रकृति का यह
अभिन्नंदन केवल युवतियों के झूलों तक सीमित
नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उस कृषक
समाज से भी है जिसके जीवन का आधार ही वर्षा
है। जब गगन में बिजलियां चमकती हैं, तो य-
धरती के उर्वर होने और नई फसल का संकेत है -
रे गगन गरजै झिमाले बिजली
पड़ै बुन्दिया भरै क्यारी
समै बिबरखा लगे क्यारी
सो कर यह वर्षा विकराल रूप लेती है तो
किसानी जीवन से जुड़े युवा अपने बचाव के लिए
उपलब्ध सभी साधनों का उपयोग करते हैं -
मोटो मोटो बुन्दां झुले पै आईं
तो गारु नै चाहर ताणी, हो मन्ने तेरी सोंह
जद वोह चादर भीजन लागी
तो गारु नै छतरी ताणी, हो मन्ने तेरी सोंह
सावन का सबसे कारुणिक और दार्शनिक पहलू
वह है जहां यह विह्वल की अंगि को और भड़का
देता है। जब खेत-क्यारियां पानी से भर जाते हैं,
तब परदेस गए पति की याद नायिका के हृदय को
घर देती है। वह एक राहगीर से मिन्नतें करती है
कि वह उस अपने साथ ले जाए -
सातुन के डोला घर रहे रे बिटाऊ डोला हमरे गये परदेस
संग चलो तें ले चलून मेरी डाबर नैनी चलो न हमारे साथ
इस विप्लवंत शृंगार और यौवन की तड़प का
मार्मिक वर्णन आगे भी मिलता है -
सामण का महीना मेघा रिमझिम रिमझिम बरसै

सादन के ये अनमोल लोकगीत और इनका प्रामाणिक संकलन, जैसा कि हरियाणा के लोकरंग जैसी रचनाओं में सहेजा गया है, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के वे मोती हैं, जिनमें प्रकृति के शाश्वत अभिन्नंदन की गुंज आने वाली सदियों तक सुरक्षित रहेगी।

मन में समझाऊं तो बी बरी जीवन तरसे
तीजे के दिनां की पड़ी आस बड़ी भारी
ऐसे में भी न आए मैं पड़ी दुख की मारी
अंततः, उसकी यह वेदना इतनी सघन हो जाती है
कि वह अपने परदेसी पति को एक सख्त संदेश
बिजवाना चाहती है। वह अपनी सखी से कल
लज्जातमय गंवाकर अपने पति को नौकरी छोड़कर
लौट आने का परवाना लिखती है -
हे निकली बिचली गाल जेठानी मार दिया ताना
हे जिनका पति बस परदेस एसे जीने से मर जाना
हे बांढी ल्याबो कलम दवान पति पे गुरू परवाना
हरियाणा लीगियो डेडु हजारा नत अपना नाम कटवाना
हरियाणावी लोकगीतों में सावन मास का वर्णन
कोई सामान्य ऋतु-वर्णन नहीं है। यह हरियाणावी
जनमानस का प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन और
सुख संपूर्ण दार्शनिक विवेचन है। रेडियो प्रसारणों
और संस्कृत शिक्षण के माध्यम से लोक-ध्वनियों
छन्दों और भाषा की जो गहरी समझ विकसित होती
है, उसी कसौटी पर परखने से इन गीतों का
सांस्कृतिक काव्यात्मक और लयबद्ध सौंदर्य उभर
कर सामने आता है। ये सभी प्रसंग मिलकर एक
ऐसा विशाल प्राकृतिक कैनावास तैयार करते हैं
जिस पर लोक-संस्कृति अपने सुख, दुख, विरह,
मिलन, सामाजिक समरसता और पारिवारिक
व्यथार्थ के गहरे रंग उकेरती है। इन गीतों की दार्शनिक
गहराई इसी बात में निहित है कि ये प्रकृति को मनुष्य
के से अलग कोई जड़ वस्तु नहीं मानते। सावन के
हरियाणा के लोकगीतों जैसी रचनाओं में सहेजा गया
है, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के ये मोती हैं,
जिनमें प्रकृति के शाश्वत अभिन्नद्वय की गूँज आने
लगी।

ग़ज़ल

रामफल गौड़



जिस माणस का मान मरै सै

जिस माणस का मान मरै सै।
जिन्दा ओ इनसान मरै सै।
बेदोस्सी नै सजा मिलै तो,
व्यूँ समझो संविधान मरै सै।
मात पिता हों मरे बराबबर,
जिनका पूत जवान मरै सै।
खड्गजंग माच्छै सै जिस घर म्हं,
बच्चयां की मुस्कान मरै सै।
ओ जिन्दा बी मरे बराबबर,
जिसका दीन ईमान मरै सै।
खेत रोवते बिलख बिलख जब,
तंगी भोग किसान मरै सै।
जात धरम पै कतल हुवै जब,
मणसपणे का वयान मरै सै।
खतम हुवै सै वा संसचिरती,
जिसकी मूल जवान मरै सै।
मोत मणस की इब व्यूँ रामफल,
सरइक पै ज्यूँ स्वान मरै सै।

गीत डॉ. त्रिलोक चंद फतेहपुरी

फर्ज निभाओ

जननी अर जन्मभूमि का ख्याल आपनै करणा सै।
 फर्ज की खातिर जीणा सै फर्ज की खातिर मरणा सै।

पहला फर्ज मां-बाप ऋण जिस तैं छुटकारा पाओ
 गृहस्थ आश्रम म्हें जाकै खुद घर को स्वर्ग बनाओ
 आधि-व्याधि झूझा पीड़ा इनतैं कती ना डरणा सै।
 फर्ज की खातिर जीणा सै फर्ज की खातिर मरणा सै॥

दूजा फर्ज गुरु का ऋण जिसने गुणवान बनाया
 भूत भविष्य अर वर्तमान का दर्पण तुम्हें दिखाया
 निज संतान पढ़ा करके गुरु ऋण तैं कती उबरणा सै।
 फर्ज की खातिर जीणा सै फर्ज की खातिर मरणा सै॥

फर्ज तीसरा देवों का ऋण जिसने जरूर चुकाओ
 मंदिर मस्जिद तैं पहन्या मां बाप की शीश झुकाओ
 सत्य अहिंसा मानवता के भाव मो दिल् म्हें भरणा सै।
 फर्ज की खातिर जीणा सै फर्ज की खातिर मरणा सै॥

आधुनिकता की चकावैध म्हें उलझ नहीं तुम जाना
 जी तोड़ सदा मेहनत करणा मेहनत तैं मंजिल पाना
 मां-बाप गुरु के वचन नैं याद सदा हीं रखणा सै।
 फर्ज की खातिर जीणा सै फर्ज की खातिर मरणा सै॥

जननी और जन्मभूमि तैं सदा हीं प्रीत लगाणा,
 संयम निष्ठा अनुशासन तैं सारे फर्ज निमाणा,
 त्रिलोक सीख ले कर्म कमाणा जै भव तैं पार उतरणा सै।
 फर्ज की खातिर जीणा सै फर्ज की खातिर मरणा सै॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर
आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पारंपरिक व्यंजन

तीज-रक्षाबंधन पर्व पर खास तौर से बनने वाली 'देसी मैगी' की निर्माण प्रक्रिया में ही अपनापन समाया हुआ है

सेवईयां: वह मीठी सौगात, जो हर घर की यादों में बसती थी



जनजीवन

रवि यादव

ए क जमाना था जब हर घर में राखी वाले दिन और तीता वाले दिनों सेवकियां बनती थीं, और सब चाव से खते थे। गांव की वह मीठी सीमांत, जो हर घर की यादों में बसती थी, तब आज के जैसा समझ नहीं था। करीबी तब ही पहले तल आउर भारर के अनेक नदों में पछ पछा परंपरिचर वजन बनाया जाता था, जिसका नाम सुनेतें ही वपन की अलगिनत यादें ताजा हो जाती हैं। सेई कंठ या सेवकियां, आज की पीढ़ी शायद इससे परिचित न हों, लेकिन उस समय यह बच्चों से लेकर बूढ़ तक सभी की पसंद हुआ करती थी। यदि आज के सदमें में इसकी तुलना करगें तो हे तूझे 'देसी मीठा' कौन खा सकता है।

फर्क बात इतना थी कि मीठी नमकीन हो गई, जबकि सेई मीठी बनती थी और उसमें घर का अपनापन, मेहनत और परिचार का स्नेह गुप्त होता था। हालांकि नमकीन सेवकियां भी बना ली जाती थीं। उस समय आजकल वाली मिठाइयों का देवन दूर-दूर तक नहीं था। घर की माताएं घर में लोह की देवी मंथिन से सेवकियां बनाती थीं। इस मंथान में खेत के शेर में कस दिया जाता था और गुप्ता देखा आटा लोई बनाकर इससे ढाल दिया जाता था। कोई एक इस मंथिन के हैंडल को घुमाता और जैसे-जैसे हैंडल घूमता, दूसरी ओर से आते की पतनी-पतली लंबी लडियां निकलती, जो बिस्कुट



आज की मैगी या सेवई जैसी दिखाई देती थीं। सेई का स्वाद केवल उसकी मिठास में नहीं था, बल्कि उसे बनाने की पूरी प्रक्रिया में था। घर की महिलाएं मशीन चलातीं, बच्चे बाहर निकलतीं सेइयों को संभालते, कोई उन्हें सुखाने के लिए फैलाता, तो कोई हंसी-मजाक करता। यह केवल खाना बनाना नहीं, बल्कि परिवार के साथ बिताया गया एक संस्कृत्य खाना होता था। उस दौर में से मोहाबल थे न टीवी

का इतना आकर्षण। परिवार के लोग साथ बैठकर काम करते थे और बातचीत में ही समय कब बीत जाता, पता ही नहीं चलता था। एक खास ही कोई कपड़ा या लुगड़ी बिछा दी जाती और उस पर कोकर या किसी अन्य पेड़ की सूखी टहनियां रख दी जाती थीं। मशीन से निकली सेवइयों को इसी टहनियों या छड़ी पर फैला दिया जाता था। धूप में दोपहर तक सेवइयां सूख जातीं और फिर इन्हें दूसरे वृष्टे पर देवगनी या पतले में चढ़ा दिया जाता था। कुछ ही देर में धूप धरे में ऐसी मीठी सुसुलभ फैल जाती कि बच्चे बाहर-बाहर रसोई में झौकने लगते—“अम्मा, रोई तैयार हो गइय वया ?” यही देर में सेवइयां तैयार हो जाती थीं और फिर पि बूरा के साथ खाना जाता था। एक बात और याद कोमिए कि जब किसी घर में यह सेवइयां बनाने की मशीन नहीं होती थी तो घर की औरतें गृहे हुए आटे का छोटा छोटा हिस्सा लेकर हाथ से जले बना लेती थीं।

हल्ला की इनका आकार छोटा होता था, मगर इनका भी पकने पर अपना ही स्वाद होता था। आज जब दो मिनट में बनने वाली मेगी हर दुकान पर उपलब्ध है, तब सुविधा तो बढ़ गई है, लेकिन उस सामूहिक आनंद की कमी भी महसूस होती है। मशीन का हँसल घुमाते हुए थक जाना, बच्चों का उत्साह से पास खड़े रहना, धूप में सूखती सेवइयों की खुशबू और शायद कभी कभी बनी होती सैंड का इस्तेमाल यो सब यादें आज भी मन को गमक देती हैं। इसमें के साथ जीवनशैली बदल गई। पारंपरिक रसोई के अनेक उपकरण कबाड़ी के हवाले हो गए और उनकी जगह आधुनिक मशीनें ने ले ली। शैवे बनाने वाली घट छोटी-सी मशीन भी अब शायद ही किसी घर में दिखाई देती है। नई पौड़ी ने उसका नाम भी मुक्किल से सुना होगा, लेकिन जिन लोगों ने बचपन में इसका स्वाद चखा है, उनके लिए शैवे केवल एक व्यंजन नहीं, बल्कि अपना ग्याद, अपने परिवार और अपने बचपन की अमूल्य स्मृति है।

आज आवश्यक्ता इस बात की है कि हम ऐसे पारंपरिक व्यंजनों और उनसे जुड़ी परंपराओं को केवल याद ही न करें, बल्कि अगली

यदि कभी किसी पुराने घर के कोने में वह मशीन मिल जाए, तो उसे कबाड़ समझकर फेंकने के बजाय एक बार फिर से साफ़ कीजिए, आटा गूँथिए, खाट के पाए में उसे कसिए और हँडल घुमाइए। यकीन मानिए, मशीन से केवल सेई ही नहीं निकलेगी, बल्कि बचपन की वे अनमोल यादें भी फिर से जीवंत हो उठेंगी, जिनकी मिठास किसी भी आधुनिक व्यंजन से कहीं अधिक है।

पौढ़ी तम की पहुँचाएँ। यदि कबाड़ समझकर फेंकने के बजाय एक बार फिर से साफा कीजिए, आटा गूँथिए, खट के पाए में उसे किसिए और हैटल घुमाइए। चक्कन मगिए, मशिन से केवल रोई ही नहीं निकलेगी, बर्रिक बचपन की वे अनमोल यादें भी फिर से जीवंत हो उठेंगी, जिनकी मिठास किसी भी आधुनिक व्यंजन से भी अधिक है। आजकल तीज या इक्षुदे के त्यौहार आप घरों से रहते हैं, उससे आप सीसी वाकिफ हैं। इक्षुदे के बारे में तो आप भ्रमशुली भी ज्यादा जानते हैं। ऐसा नहीं है कि हमारे खान-पान की वे परंपराएँ हम भूल गए हैं। असल में हम देखा-देखी के शिकार हो गए और खुद को 'मॉडर्न' कहने लगे हैं।

हरियाणवी नृत्य अपनी कला, ऊर्जा और सौंदर्य में अद्भुत : रोहित बच्ची



लाकार

बस्सुम जहां

हरियाणवी लोकनृत्य और अभिनय की परंपरा को अपनी कला, संवेतना और सम्पन्न को नई पहचान देने वाले युवा कलाकार रोहित बच्चू आज हरियाणवी सिनेमा का एक सशक्त नाम बन चुके हैं। हरियाणवी फिल्म 'दादा लखी' में रोहित ने डॉसर (नचार) की भूमिका निभाई। इसके अलावा '12वीं आला प्यार', 'बट्टा', 'बूझा' और 'सांगी' जैसी फिल्मों में उन्हें मुख्य भूमिका निभाने का अवसर मिला। उन्होंने मोमाकू में एक छोटा-सा डॉस क्रिकटर भी किया। वहीं अहसास, नीम और सुमित्रा जैसी कई लघु फिल्मों में भी अभिनय किया। रोहित बच्चू ने गीतों का निदेशन भी किया है तथा 'वनवास' और 'जर, जोरू, जमीन' जैसी फिल्मों में सहायक निदेशक के रूप में भी कार्य किया है। उनकी आने वाली फिल्मों में 'यारी में गद्दारी' शामिल है, जिसमें वे नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। 'दंड' में वे मुख्य नायक की भूमिका में दिखाई देंगे तथा 'गढ़ चक्कर' में भी एक अलग क्रिकेटरदार में नजर आएंगे। सोनीपत जिले के गोहाना में जन्मे रोहित को बचपन से ही नृत्य का गहरा शौक था। बाहरवी तक की शिक्षा गांव के सरकारी विद्यालय से प्राप्त करने के



बाद उन्होंने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर तथा हाल ही में अभिनय विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। उनकी बड़ी बहन ने शिक्षा और नृत्य, दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रतीत करने और आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रोहित के लिए नृत्य भी अभिनय का ही एक रूप है। इसमें वे बिना कुछ बोले अपने हाव-भाव, भावनाओं और अभिव्यक्तियों के माध्यम से बहुत कुछ कह देते हैं। उनके अनुसार उन्हें सबसे अधिक सात्विक अभिनय पसंद है। शुरुआत में उनके लिए अभिनय और नृत्य के बीच

संतुलन बनाना थोड़ा कठिन था। उसी संतुलन को बेहतर बनाने और अभिनय को गहराई से समझने के लिए उन्होंने अभिनय की औपचारिक शिक्षा प्राप्त की। दादा लखी फ़िल्म में काम करने के विषय में वे बताते हैं कि यह उनका सोभाय्य रहा कि उनके कॉलेज का एक डांस वॉइडिंग वायरल होने की वजह से उन्हें इस फ़िल्म का हिस्सा बनने का अवसर मिला। उन्होंने पहले से कोई अभ्यास नहीं किया था। सेट पर ही कोरियोग्राफ़ी तैयार हुई और वहीं उसे सीखा भी। इसका पूरा श्रेय वे लीला सैनी और यशपाल शर्मा से कोते देते हैं। उन्होंने उन पर विश्वास किया, प्रोत्साहित किया और आगे बढ़ने का हाँसला दिया। दादा लखी फ़िल्म को वे हरियाणवी सिनेमा का युग-परिवर्तन मानते हैं। उनके अनुसार आज हरियाणा का लगभग हर अच्छा गायक/फ़िल्म निर्माण की ओर आकर्षित हो रहा है और इसकी सबसे बड़ी वजह दादा लखी फ़िल्म है। उनका मानना है कि दादा लखी फ़िल्म ने उन्हें नचारे के किरदार को पूरी शिद्दत से जिया। शायद उसी अभिनय को देखकर सांगी के निर्माताओं ने उन्हें मुख्य किरदार 'अमन' की भूमिका के लिए चुना। जहां तक अभिनय की बात है, उनके अनुसार अभिनय उन्हें इतना प्रिय है कि वे हर किरदार में सहजता से ढल

नवाचर का किरदार उन्हेँ केवल पर्दे पर नहीँ निभाया, बल्कि उसे वास्तविक जीवन में भी महसूस किया और जिया है। इसलिए इस भूमिका के लिए उन्हेँ किसी विशेष तैयारी की आवश्यकता नहीँ पड़ी। चुनौतियाँ स्वीकार करना हर कलाकार को अच्छा लगता है।

जाते हैं। रोहित ने दादा लख्मी और सांगी, दोनों में ही नचार का महत्वपूर्ण किरदार निभाया है। उनके अनुसार नचार का किरदार उन्होंने केवल पद पर नहीं निभाया, बल्कि उनका वास्तविक जीवन में भी महसूस किया और जिया है। इसलिए इस भूमिका के लिए उनका किसी विशेष तैयारी की आवश्यकता नहीं पड़ी। उनके अनुसार चुनौतियाँ स्वीकार करना हर कलाकार को अच्छा लगता है। स्वयं उनके शब्दों में, 'मैंने उस किरदार के लिए एक महिला का वेश धारण किया, तो ऐसा लग रहा जैसे मैंने एक साथ सौ जिंदगियाँ जी ली हों।'

इस दुनिया में एक खी होना ही अपने आप में एक बहुत बड़ी चुनौती है। आज की परिस्थितियाँ तथा हरियाणवी रंगमंच और सिनेमा की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए रोहित मानते हैं कि एक कलाकार के रूप में आज भी परिस्थितियाँ पूरी तरह संतोषजनक नहीं हैं। हालाँकि पहले की तुलना में स्थिति कुछ बेहतर हुई है, लेकिन अभी बहुत काम होना बाकी है। इसे और बेहतर बनाने की जिम्मेदारी हम सभी कलाकारों की है। उनका मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म आने के बाद दर्शकों की देखने की आदतों में बड़ा बदलाव आया है। आज अधिकारी लोग घर बैठे ही मनोरंजन चाहते हैं, वह भी निःशुल्क। लेकिन उनके लिए सिनेमाघर में बैठकर फ़िल्म देखने का अनुभव बिल्कुल अलग और कहीं अधिक प्रभावशाली होता है। हमें अपनी लोक परंपराओं, भाषा और नृत्य पर गर्व करना चाहिए। दुर्भाग्य से हम देशी होने में संकोच महसूस करते हैं, इसलिए हरियाणवी लोकनृत्य को वह सम्मान नहीं मिल पाता, जिसका वह अधिकारी है। आज बच्चों की रूचि पश्चिमी संस्कृति की ओर अधिक है। फिर भी हरियाणवी नृत्य अपनी कला, ऊर्जा और सौंदर्य में अद्वैत है। बस आवश्यकता है कि हम अपनी जड़ों से फिर से जुड़ें।

ख़बर संक्षेप



बहल। बहल में आयोजित बैठक में मौजूद श्रमिक। फोटो: हरिभूमि

हर श्रमिक को जोड़ा जाएगा संगठन के साथ

बहल। भवन निर्माण श्रमिक संघ हरियाणा (भारतीय मजदूर संघ संबद्ध) जिला भिवानी की बैठक रविवार को अंबेडकर भवन, बहल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भिवानी प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद खेंड़ा ने की। इसमें श्रम कल्याण बोर्ड के सदस्य एवं प्रदेश महामंत्री राममेहर जांगड़ा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए राममेहर जांगड़ा ने कहा कि संगठन का उद्देश्य प्रत्येक निर्माण श्रमिक को हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं का लाभ दिलाना है।

15 दिन पानी की मांग को लेकर धरना जारी

बवानीखेड़ा। जमालपुर में चल रहे किसानों के धरने की अध्यक्षता रविवार को रामस्वरूप यादव ने की। धरने को समर्थन देने के लिए अखिल भारतीय किसान सभा लोहारू की टीम महावीर पुनिया,हरचन्द नेहरा,सोनु पहाड़ी, एडवोकेट अशोक आर्य एडवोकेट कविता आर्य पहुंचे और किसानों की मांग का समर्थन किया। सभी ने धरने को समर्थन देते हुए कहा कि आपकी लड़ाई जायज है क्योंकि पानी सभी की जरूरत है और सरकार से अपील करते है कि सुंदर ब्रांच नहर के किसानों की पानी की मांग को पूरा किया जाए।



भिवानी। आयोजित बैठक में उपस्थित विधायक व अन्य पार्टी पदाधिकारी।

बैठक में संगठन की मजबूत पर की चर्चा

भिवानी। भाजपा भिवानी जिला की संगठनात्मक बैठक रविवार को जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने, आगामी तिरंगा यात्रा और संत शिरोमणि गुरु रविदास की जनमस्थली से आ रही पावन मिट्टी के वितरण समेत कई अहम विषयों पर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

दक्ष प्रजापति महाराज का जन्मोत्सव मनाया

तोशाम। रविवार को तोशाम में प्रजापति समाज द्वारा श्री दक्ष प्रजापति का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री दक्ष प्रजापति की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मुख्यातिथि आदर्श शिक्षण समिति तोशाम के चेयरमैन जगदीश मालवाल ने कहा कि हम सबको श्री दक्ष प्रजापति के जीवन से प्रेरणा लेते हुए उनके आदर्शों पर चलना चाहिए। इस अवसर पर गांव खानक के पूर्व सरपंच अमर सिंह, डॉ. कृष्ण, तोशाम विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी मास्टर नरेंद्र, प्रधान राजबीर फौजी, पूर्व पंच लक्ष्मण दास आदि मौजूद रहे।

पौधरोपण

उज्ज्वल एवं हरे-भरे भविष्य की नींव रखेंगे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बच्चों के कदम: सुरेंद्र

हरिभूमि न्यूज़

पर्यावरण में आ रहे बदलावों एवं बढ़ते तापमान को देखते हुए अब भावी पीढ़ी भी सजग एवं जागरूक हो रही है। गांव बड़ेसरा स्थित रोली माता तालाब के प्रांगण में सिटी पब्लिक स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने ग्रामीणों व अध्यापकों के साथ मिलकर 51 पौधें रोपित किए और पर्यावरण बचाओ का अद्भुत संदेश दिया। पौधरोपण कार्यक्रम सबसे प्यारा गांव हमारा सेवा समिति बड़ेसरा द्वारा आयोजित किया। पौधरोपण के दौरान बच्चों और शिक्षकों के बीच पर्यावरण संतुलन पर गंभीर चर्चा हुई। बच्चों ने पेड़ों के महत्व को समझते हुए कहा कि भीषण गर्मी व 48 डिग्री तक का

- श्रावण मास में करते हैं तोशाम क्षेत्र के शिवभक्त विशेष पूजा
- अबकी बार श्रावण के तीसरे सोमवार को नाग पंचमी व शिववास के साथ बनेगा शुभ संयोग : पं. रामकिशन



विष्णु दत्त शास्त्री

तोशाम की ऐतिहासिक पहाड़ी के बीचो-बीच स्थापित सैकड़ों वर्ष प्राचीन स्वयंभू नर्मदेश्वर शिवलिंग से तोशाम क्षेत्र सहित दूर-दराज क्षेत्र से आने वाले भोले बाबा के भक्तों को भरपूर आशीर्वाद मिल रहा है। श्रावण मास के दौरान भोले के भक्तों की संख्या पहाड़ी पर स्थित प्राचीन शिवलिंग की पूजा करने के लिए कई गुना अधिक बढ़ जाती है। विद्वानों तथा बुजुर्गों

के अनुसार पहाड़ी पर स्थित यह प्राचीन शिवलिंग पृथ्वीराज चौहान के शासनकाल से भी पहले सैकड़ों वर्ष पुरानी है। जिससे तोशाम के इतिहास की सबसे प्राचीन शिवलिंग यही है जोकी शिव अपने भक्तों की प्रत्येक मनोकामना पूर्ण करते है। श्रावण मास प्रारंभ हो चुका है और श्रावण मास का प्रथम सोमवार आज है, वैसे तो शिवलिंग की पूजा-अर्चना के लिए तोशाम पहाड़ी पर प्रतिदिन ही अनेक शिवभक्त पहुंचते हैं

तोशाम। तोशाम की वह पहाड़ी जिस पर सैकड़ों वर्ष प्राचीन नर्मदेश्वर शिवलिंग स्थापित है। फोटो: हरिभूमि

ऐतिहासिक पहाड़ी पर स्थित प्राचीन धार्मिक स्थलों का महत्व...

तोशाम की ऐतिहासिक पहाड़ी पर स्थित पंचतीर्थ अर्थात पांच जल कुंड प्राचीन काल से ही धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व का केंद्र रहे हैं। वैसे तो तोशाम पहाड़ी पर कुल 8 कुंड है जिनमें से पांच कुंडों पांडू तीर्थ कुंड, सूर्य कुंड, कुकुर कुंड, व्यासरिया कुंड, व्यास कुंड को पंचतीर्थ का रूप में विशेष पवित्र माना जाता है क्योंकि विभिन्न गुफाओं में स्थित इन कुंडों के पानी में गंधक होता है, मान्यता है कि इस पानी में स्नान से त्वचा रोग भी ठीक होते हैं। जिससे इन पंचतीर्थ का महत्व धार्मिक, वैज्ञानिक, एवं ऐतिहासिक दृष्टि से और भी अधिक बढ़ जाता है। इन्होंने पंचतीर्थ के बीच सैकड़ों वर्ष प्राचीन स्वयंभू नर्मदेश्वर शिवलिंग स्थापित है जोकि पूरे श्रावण मास के दौरान तोशाम क्षेत्र के शिवभक्तों की आस्था का केंद्र बिंदु बनी रहती है। पहाड़ी पर मुख्य मंदिर के रूप में स्थित बाबा मुंजीपा मंदिर से भी क्षेत्र के लोगों की अगाध आस्था जुड़ी हुई है क्योंकि बाबा मुंजीपा प्राचीन समय से ही ग्राम देवता के रूप में पूजे जाते हैं और क्षेत्र के लोगों पर ग्राम देवता बाबा मुंजीपा की विशेष कृपा रहती है।

दादी सती जाबदे अखाड़ा की 3 महिला व 9 पुरुष पहलवानों ने जीते गोल्ड मेडल

अखाड़े के पहलवानों ने जिला स्तरीय कुश्ती में पदक जीतकर बढ़ाया मान

हरिभूमि न्यूज़

भीम स्टेडियम में संपन्न हुई दो दिवसीय जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में दादी सती जाबदे अखाड़ा खरक के पहलवानों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। अखाड़े की तीन महिला एवं नौ पुरुष पहलवानों ने अपने-अपने भार एवं आयुवर्ग में पहला स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल जीता। पहलवानों ने अपनी प्रतिभा के दम पर अखाड़े, गांव तथा पूरे जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में अंडर-11 वर्ग में अरविंद ने 24 किलोग्राम, युद्धवीर ने 28 किलो तथा पूर्व ने 32 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं अंडर-14 वर्ग में हंस ने 44 किलो, चिराग ने 48 किलो, डिंपल ने 39 किलोग्राम, कनक ने 42 किलो व हेमलता ने 62 किलो भारवर्ग में प्रथम स्थान पाकर गोल्ड मेडल जीता। वहीं अंडर-17 वर्ग में निखिल ने 48 किलो, रोहित ने 65 किलो, उज्ज्वल ने 71 किलो व साहिल ने 80 किलो भारवर्ग में में दांव-पेच दिखाते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। अखाड़ा संचालक विनोद पहलवान ने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत के बल पर ही दादी सती जाबदे अखाड़ा खरक लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है।



भिवानी। अतिथियों के साथ विजेता पहलवान तथा क्रिकेट मैच में शॉट लगाते उपायुक्त।

चरखी फुटबॉल नर्सरी की दो बेटियों ने राष्ट्रीय यूथ लीग में जीता स्वर्ण, बढ़ाया मान

चरखी दादरी। हरियाणा की खेल प्रतिभाओं ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी श्रेष्ठता साबित की है। चरखी फुटबॉल नर्सरी की दो होनहार महिला फुटबॉल खिलाड़ी विश्व और जैरिसन ने छतीसगढ़ के नारायणपुर में आयोजित ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एसआईएफएफ) की अंडर-17 महिला यूथ लीग में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश और जिले का नाम रोशन किया है। दोनों खिलाड़ियों ने हॉट्स फुटबॉल क्लब की ओर से शानदार प्रदर्शन कर टीम को खिताबी जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चरखी फुटबॉल नर्सरी के मुख्य कोच सुधीर ने बताया कि विश्व और जैरिसन शुरू से ही खेल के प्रति समर्पित रही हैं। नियमित अभ्यास, अनुशासन और कठिन मेहनत के दम पर दोनों ने यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह सफलता लंबे समय से किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है और भविष्य में दोनों खिलाड़ी सीनियर राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाएंगी। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर चरखी फुटबॉल नर्सरी, ग्रामीणों और खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि सीमित संसाधनों के बावजूद विश्व और जैरिसन ने जिस तरह अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है, वह क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।



विश्व तथा जैरिसन

ओबीसी समाज के हितों के लिए संगठित होकर आवाज उठानी होगी: विधायक चंद्रप्रकाश

हरिभूमि न्यूज़

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग की ओर से रविवार को दादरी की अग्रसेन धर्मशाला में जिला स्तरीय ओबीसी कार्यक्रम का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में हरियाणा प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन एवं आदमपुर विधायक चंद्रप्रकाश ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी चरखी दादरी के अध्यक्ष सुशील ने की। अग्रसेन धर्मशाला पहुंचने पर विधायक का कार्यक्रमताओं ने



चरखी दादरी। दादरी पहुंचने पर विधायक चन्द्रप्रकाश का स्वागत करते पदाधिकारी व कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

माल्यार्पण, पगड़ी, शॉल, स्मृति चिह्न और महापुरुषों के चित्र भेंट कर स्वागत किया। विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित और सक्रिय कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाया जाए।

टी-20 मुकाबला डीसी-11 ने जीता

भिवानी। हांसी रोड स्थित आरपीएस क्रिकेट मैदान में शनिवार शाम को जिला प्रशासन और प्रेस 11 के बीच टी-20 डे नाइट क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। डीसी-11 और प्रेस-11 के बीच खेले गए इस मुकाबले का उद्देश्य नशा मुक्त भारत तथा सड़क सुरक्षा के प्रति विशेष रूप से युवाओं को जागरूक करना रहा। दृधिया रोहनी में खेली गई इस प्रतियोगिता का शुभारंभ डीसी साहिल गुप्ता ने किया। इस दौरान प्रशासन टीम के सदस्य एसडीएस महेश कुमार एवं सीटीएस अनिल कुमार भी मौजूद रहे। मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी प्रेस-11 की टीम डीसी-11 के गेंदबाजों के सामने संघर्ष करती नजर आई। डीसी-11 की सटीक और कसी हुई गेंदबाजी के चलते प्रेस-11 की पूरी टीम 15 ओवर में मात्र 61 रन ही बना सकी। इस दौरान सीटीएस अनिल कुमार ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए प्रेस-11 के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। 62 रनों के लक्ष्य का पीछ करने उतरी डीसी-11 की ओर से डीसी साहिल गुप्ता और दादरी के पुलिस अधीक्षक लोचन कुमार ने पारी की शुरुआत की। दोनों बल्लेबाजों ने आकर्षक चौके-छक्के लगाकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। हालांकि प्रेस-11 के गेंदबाजों ने शुरुआती छह ओवर तक अच्छा संघर्ष करते हुए दोनों सलामी बल्लेबाजों की साझेदारी तोड़ दी। इसके बाद सीटीएस अनिल कुमार और एसडीएस महेश कुमार ने जिम्मेदारी संभालते हुए संयमित बल्लेबाजी की और टीम को 13वें ओवर में ही लक्ष्य तक पहुंचा दिया। डीसी-11 ने यह मुकाबला 8 विकेट से अपने नाम कर लिया। बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए डीसी गुप्ता को मैन ऑफ द मैच चुना गया।



छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई

लोहारू। प्रधानमंत्री के संकल्प कार्यक्रम नशा मुक्त युवा एवं विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत रविवार को बी बंसाला राजकोष कॉलेज और सावित्री बाई फुले राजकीय महिला महाविद्यालय में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों तथा महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान छात्र छात्राओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। दोनों राजकीय महाविद्यालयों आयोजित कार्यक्रम के दौरान वृत्तअल माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश विद्यार्थियों तक पहुंचाया गया। प्रधानमंत्री ने युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाने का स्पष्ट संदेश दिया। युवाओं ने प्रधानमंत्री के संदेश को जीवन में उतारने और नशा मुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

विद्यार्थियों को दी नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी

चरखी दादरी। जनता महाविद्यालय में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. जयवीर सिंह की उपस्थिति में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर नशा मुक्ति शपथ समारोह का भी आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। प्राचार्य डॉ. जयवीर सिंह ने कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित और सशक्त भारत की मजबूत नींव रख सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशे के विरुद्ध जनजागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ. राजकुमार गर्ग, डॉ. प्रीति गुप्ता, नरेश कुमार, सज्जन सिंह आदि मौजूद रहे।

श्रावण मास के सोमवार कब-कब...

अबकी बार श्रावण मास में चार सोमवार होंगे। यह जानकारी देते हुए तोशाम के दक्षिणमुखी संकटमोचन मेहदीपुर बालाजी दरबार के प्रसिद्ध महंत पंडित रामकिशन महाराज ने बताया कि श्रावण मास भोले बाबा को अत्यंत प्रिय है और श्रावण मास में भी सोमवार का दिन भोले बाबा की पूजा के लिए विशेष माना गया है। अबकी बार श्रावण मास का प्रारंभ गत 30 जुलाई से हो चुका है जिसका प्रथम सोमवार 3 अगस्त यानी आज है। द्वितीय सोमवार 10 अगस्त को होगा वहीं श्रावण मास की शिष्टरात्रि 11 अगस्त मंगलवार को होगी तो तृतीय सोमवार 17 अगस्त तथा चतुर्थ सोमवार 24 अगस्त को रहेगा।

तोशाम पहाड़ी का इतिहास रहा है सैकड़ों वर्ष पुराना...

तोशाम की ऐतिहासिक पहाड़ी पर स्थित ग्राम देवता बाबा मुंजीपा मंदिर के वर्तमान में महंत नन्हाराम महाराज के अनुसार तोशाम की पहाड़ी सहित यहां पर स्थित धार्मिक स्थलों का प्राचीन इतिहास है। उनका कहना था कि यहां जो प्राचीन शिवलिंग स्थापित है इसकी स्थापना का वैसे तो कहीं कोई दिनांकित नहीं है लेकिन विद्वज्जनों या बुजुर्गों के अनुसार यह पृथ्वीराज चौहान के शासनकाल से भी पहले की शिवलिंग है। वहीं करीबन 800 फीट ऊंची इस पहाड़ी के बीच में जमीन से करीबन 200 फीट की ऊंचाई पर स्थित बाबा मुंजीपा मंदिर भी काफी प्राचीन है

बेटी सोनाली के जन्मदिन पर रोपे 10 पौधे

भिवानी। जन्मदिन का जश्न अगर प्रकृति की गोद और पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लेकर मनाया जाए तो ये यादगार के साथ समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। ऐसा ही अनुकरणीय कार्य डॉक्टर बीआर अंबेडकर यूथ संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पवन मेहरा ने कर दिखाया। उन्होंने अपनी सुपुत्री सोनाली के जन्मदिन पर रविवार को गांव दाणीमाहु में 10 फलदार व छायादार पौधें लगाए। पौधरोपण अभियान गांव जीतवानवास और दाणीमाहु के मध्य स्थित नानूवाला जोहड़ के पास बसे शिव मंदिर प्रांगण में चलाया। ग्रामीणों ने नन्हें सोनाली का सम्मान किया और दैनिक जीवन में जल बचाने की सामूहिक शपथ ली। पर्यावरण



पार्क में नपा अध्यक्ष ने किया पौधरोपण

बवानीखेड़ा। नपा अध्यक्ष सुंदर अत्री ने रविवार को शहीद गुलाब सिंह पार्क में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नपा द्वारा व्यापक स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत करखे के सभी 16 वार्डों में संबंधित नगर पार्श्वों की अनुमति में पौधे लगाए जाएंगे। सुंदर अत्री ने बताया कि इस अभियान के तहत प्रत्येक वार्ड में 100 पौधों का रोपण किया जाएगा। इस प्रकार पूरे करखे में कुल 1600 पौधे लगाए जाएंगे, जिससे हरित वातावरण को बढ़ावा मिलेगा और आने वाली पीढ़ियों की स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण मिल सकेगा।



सेवा संकल्प संगठन ने सांवड़ में लगाए पौधे

चरखी दादरी। पर्यावरण संरक्षण की जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से सेवा संकल्प संगठन ने सांवड़ और आपसास के गांवों में व्यापक पौधरोपण अभियान चलाया। संगठन ने मानसून सत्र के दौरान इस वर्ष 300 से अधिक पौधे रोपित किए तथा लगभग 150 पौधों का वितरण भी किया। संगठन की टीमों ने ग्रामीणों के सहयोग से पीपल, जामुन, सीरस, गुलाब, इमली, गुलमोहर, पापड़ी सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। संकल्प पुरतकालय परिसर में 60 से अधिक पौधे रोपे गए, जबकि शहीद स्मारक, बाबा गूगा मंदिर, देवी मंदिर रोड, वाल्मीकि मंदिर तथा सरकारी विद्यालयों सहित अनेक सार्वजनिक स्थानों पर भी पौधरोपण किया गया।



पौत्र रत्न की खुशी में झील पर लगाए 21 पौधे

भिवानी। व्यापारी संजय गोयल के परिवार में पौत्र के आगमन की अपार खुशी को बेहद अनुकरणीय और पर्यावरण-संरक्षण के संदेश के साथ मनाया। परंपरिक उत्सवों से हटकर गोयल परिवार ने मांगलिक अवसर को प्रकृति की गोद में यादगार बनाने की नई और प्रेरणादायी पहल की है। पौत्र रत्न की प्राप्ति पर खाकी बाबा मंदिर के समीप मूलचंद झील परिसर में 21 फलदार एवं छायादार पौधे रोपित किए। इस दौरान पर्यावरण प्रेमी आदेश बुद्धीलाल ने अपनी ओर से नेक कार्य में योगदान देते हुए 11 पौधे सुंदर गमलों सहित भेंट किए। व्यापारी संजय गोयल ने कहा कि हमारे घर में पोते का आना ईश्वर का असीम आशीर्वाद है।



पीर बाबा सैयद पालेनाथ डेरा में लगाए पौधे

बवानीखेड़ा। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के संकल्प के साथ रविवार को नगरपालिका चेयरमैन के मुख्य आतिथ्य में बवानीखेड़ा में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक पार्श्व प्रतिनिधि विनोद भौरिया रहे। पौधरोपण पीर बाबा सैयद पालेनाथ डेरा व राम बाग में किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के छायादार व फलदार पौधे लगाए गए। आयोजकों ने कहा कि पौधे लगाना ही काफी नहीं, उनकी देखभाल करना भी जरूरी है ताकि आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ हवा और हरियाली मिल सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जिनमें रामोत्तार गौरिया, राजेश सिन्घु, राजेंद्र गौरी, सुरेश गौरी, रामबीर गौरी, नरेन्द्र मास्टर, डाक्टर नवीन, आजाद सिंह, सुन्दर, जितेंद्र गौरी, जितेंद्र रंगा, दलबीर फौजी, मनोष शंकर, नागपाल, पवन बामणिषा, सर्बवीर मेहनिया, जयदीप व अन्य गणमान्य लोग शामिल थे। इस अवसर पर वक्ताओं ने लोगों से अपील की कि हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा जरूर लगाए और उसे पेड़ बनने तक संभाले। तभी पर्यावरण को बचाया जा सकता है।

गवामन भोलेनाथ मूर्ति के कल्याणकारी देव

चरखी दादरी। ऐतिहासिक बड़ो शिव मंदिर में सावन मास के उपलक्ष्य में आयोजित शिव महापुराण कथा के दूसरे दिन का शुभारंभ मंदिर के पुजारी पंडित दिनेश शास्त्री ने नववह पूजन एवं भगवान भोलेनाथ के जलभिषेक के साथ किया गया। इसके उपरंत वृंदावन धाम से आए कथावाचक पंडित चंद्र प्रकाश ठाकुर ने शिव महापुराण की व्याख्या करते हुए कहा कि भगवान भोलेनाथ सत्य, शिव, सुन्दर के रूप हैं। वे सृष्टि के कल्याणकारी देव हैं, जो भक्तों की सच्ची श्रद्धा और भक्ति से शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान शिव का स्मरण जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आत्मिक आनंद प्रदान करता है।



स्वयंसेवकों ने नशा मुक्ति की शपथ ग्रहण की

चरखी दादरी। सांजवास स्थित शहीद बहादुर सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मेरा युवा भारत की ओर से संचालित नशा मुक्त युवा, विकसित भारत अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियां करवाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं संदेश के लाइव प्रसारण के साथ हुआ। प्रधानमंत्री ने युवाओं से नशा मुक्त, स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन अपनाने को कहा। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य जागरूक, शिक्षित एवं नशामुक्त युवाओं के हाथों में सुरक्षित है। इसके उपरंत विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने नशा मुक्ति की शपथ ग्रहण की।



खबर संक्षेप



युवाओं को राष्ट्र निर्माण में भागीदारी को किया प्रेरित

भिवानी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा तथा निदेशालय के निर्देशानुसार नशामुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान चलाया और विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाइव वचुअल संबोधन के सामूहिक प्रसारण से हुआ, जिसका आयोजन संस्थान के टीपीईएस हॉल में किया। कार्यक्रम में संस्थान के सभी अनुदेशक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नशामुक्त भारत के संकल्प की ली शपथ

बाढ़ड़ा। राजकीय महिला कॉलेज, बाढ़ड़ा में रविवार को उच्च शिक्षा विभाग एवं शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार नशा मुक्त युवा-विकसित भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए वर्ष 2047 तक नशा मुक्त भारत के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

रेवाड़ी खेड़ा के सरकारी स्कूल की दीवार गिरी

बवानीखेड़ा। रेवाड़ी खेड़ा स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय की चादीवारी लगभग एक वर्ष से टूटी हुई है, लेकिन अब तक इसकी मरम्मत नहीं करवाई गई। दीवार गिरने के कारण विद्यालय परिसर पूरी तरह खुला पड़ा है, जिससे आवारा पशु स्कूल परिसर में घुस आते हैं। इससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा बच्चों की सुरक्षा भी खतरे में बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या का जहानकारी कई बार संबंधित विभाग और प्रशासन को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। विद्यालय परिसर में खरपतवार भी उग चुकी है, जिससे साफ-सफाई की स्थिति खराब हो गई है।

लीलाराम बने बैरागी समा के झोझू ब्लॉक प्रधान

बाढ़ड़ा। बैरागी समा चरखी दादरी के झोझू ब्लॉक की नई कार्यकारिणी का गठन किया। जिला मीडिया प्रमोरी मास्टर ललित बैरागी ने बताया कि संगठन को मजबूत करने और समाजहित के कार्यों को गति देने के उद्देश्य से सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया। वहीं नई कार्यकारिणी में शम्शेर को संरक्षक, लीलाराम कादमा को ब्लॉक प्रधान, धनुराम झोझू को वरिष्ठ उपप्रधान, अश्वनी ठेकेदार झोझू को उपप्रधान, रघुबीर स्वामी झोझू को महासचिव, सुनीता स्वामी कादमा को सचिव, राममेहर स्वामी झोझू को कैशियर, दिलबाग बैरागी झोझू एवं बलराज कादमा को ऑडिटर तथा जगजीत कादमा को मीडिया प्रमोरी नियुक्त किया गया। इसके अलावा ब्लॉक कार्यकारिणी सदस्य के रूप में जगदीश ढगड़ेली, रामप्रसाद कादमा, जयभगवान कलियाना एवं सुधीर पिचोपा को जिम्मेदारी सौंपी गई। वक्ताओं ने नवनिर्गुप्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए समाज की एकजुटता, संगठन विस्तार तथा सामाजिक उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, शॉप नं. 47, इन्फ्यूमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुगम **हरिभूमि** के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छुट राशि
5 × 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्तर के पृष्ठ पर	रु. 2000/-
10X 8 सें.मी		रु. 2500/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छुट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य फ़ैसीली साईज के लिए कॉर्ड रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इन्फ्यूमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन ने हड़ताल की दी चेतावनी समझौते से पलटने पर फायर और सफाई कर्मियों का हल्ला बोल हड़ताल का ऐलान

पांच अगस्त तक मांगों नहीं मानी तो छह से होगी तीन दिवसीय हड़ताल: राज्य प्रधान राजेंद्र कुमार ने किया।

13 मई 2026 के द्विपक्षीय समझौते में मानी गई सभी मांगों को बिना किसी शर्त लागू करवाने की मांग की

हरिभूमि न्यूज़ ►भिवानी

हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन ने रविवार को भिवानी के मुख्य दमकल केंद्र में फायर विभाग यूनियन के जिला प्रधान अजय श्योराण की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की जिसका मंच संचालन जिला सचिव नरेंद्र कुमार ने किया। इस दौरान दमकल कर्मियों ने कर्मचारियों के प्रति सरकार द्वारा बरती जा रही अनदेखी के खिलाफ नारेबाजी की तथा तीन दिवसीय हड़ताल का ऐलान किया। उन्होंने चेतावनी दी कि तीन दिवसीय हड़ताल के बावजूद भी सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानी तो हड़ताल अनिश्चितकालीन में भी तब्दील हो सकती है। यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिण्ढ व राज्य वरिष्ठ उपप्रधान राजीव खत्री ने



भिवानी। मुख्य दमकल केंद्र में हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन की बैठक में चर्चा करते यूनियन व संघ के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो: हरिभूमि

► सरकार का रवैया ठीक नहीं : पुरुषोत्तम मीटिंग में नया कर्मचारी संघ के राज्य सचिव पुरुषोत्तम दानव ने कहा कि भाजपा सरकार का कर्मचारियों के प्रति रवैया ठीक नहीं है, जिसे देखते हुए सभी निगम, परिषद व पालिकाओं में हड़ताल की जाएगी। उन्होंने कहा कि सफाईकर्मियों की कोई स्थायी नौकरी नहीं है, यहां तक कि बूथ दी के पदों में एक भी सफाईकर्मियों की नियुक्ति नहीं की, जो सफाई कर्मियों के भविष्य से खिलवाड़ है।

बताया कि गत 13 मई 2026 के द्विपक्षीय समझौते में मानी गई सभी मांगों को बिना किसी शर्त लागू करवाने के लिए भिवानी जिले में मीटिंग की गई। बैठक में चर्चा के दौरान कर्मचारी नेता ने कहा कि सरकार मानी गई मांगों के पत्र जारी करने की बजाय बचकर निकलना चाहती है, जिससे संघ व कर्मचारियों में काफी नाराजगी है। सरकार की वादा खिलाफी को देखते हुए संघ ने 6, 7 व 8 अगस्त

की हड़ताल की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 5 अगस्त तक सभी मानी मांगों के पत्र जारी नहीं किए तो संघ को मजबूरन 6, 7 व 8 अगस्त की हड़ताल करनी पड़ेगी। इस अवसर पर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा जिला प्रधान सुमेर आर्य, लोहड़ा प्रधान अभिषेक भाटी, सिवानी प्रधान सुशील, राजेश गुजर, नवीन, उमेश राठी, गोविंद बुरला, सुमेर सिंह व ईश्वर आदि मौजूद रहे।



चरखी दादरी। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ता।

फोटो: हरिभूमि

10 के राष्ट्रव्यापी जेल भरो आंदोलन को सफल बनाने के लिए किया मंथन

चरखी दादरी। आगामी 10 अगस्त को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी जेल भरो आंदोलन की तैयारियों को लेकर रविवार को सर्व कर्मचारी कार्यालय में मजदूर, किसान एवं कर्मचारी संगठनों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता किसान नेता बिजेन्द्र सांगवान ने की, जबकि मंच संचालन भवन निर्माण कामगार यूनियन के जिला संयोजक सुमेर सिंह ने किया। बैठक में सीटू, ईटक, किसान सभा तथा विभिन्न कर्मचारी एवं किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। किसान सभा के जिला प्रधान रणधीर कुंवाड़, ब्लॉक प्रधान नसीब मोद, सीटू जिला संयोजक राजकुमार धिकाड़ा आदि ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की मजदूर, किसान एवं कर्मचारी विरोधी नीतियों के कारण आमजन में असंतोष बढ़ रहा है। उनका कहना था कि 10 अगस्त को जेल भरो आंदोलन जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एक मजबूत संदेश देगा। बैठक में निर्णय लिया कि आंदोलन को सफल बनाने के लिए गांव-गांव, ब्लॉक व जिला स्तर पर व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा तथा मजदूरों, किसानों व कर्मचारियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस मौके पर रामनिवास कासनी, जयभगवान रावलली, बेदप्रकाश मड़काना, राजेंद्र सिंह, ईश्वर दातोली, ओम नंबरदार, यशपाल सिंह सांगवान व नरेंद्र झिंझर आदि मौजूद रहे।

मैडिएशन फॉर द नेशन 3.0 अभियान 30 अगस्त तक चलेगा

भिवानी। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, भिवानी के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पवन कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण, मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति के मार्गदर्शन में मैडिएशन फॉर द नेशन 3.0 अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक मध्यस्थता योग्य मामलों की पहचान की जाएगी और एक अक्टूबर से अभियान का विधिवत शुभारंभ होगा। वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, व्यापारिक विवाद, उपभोक्ता विवाद, संपत्ति विभाजन, किरायेदारी सहित अन्य समझौता योग्य मामलों को मध्यस्थता के लिए चिन्हित किया जाएगा।

तिरंगा देश के गौरव का प्रतीक

हरिभूमि न्यूज़ ►भिवानी

गांव तिगड़ाना स्थित बाबा परमहंस छोरा वाले मंदिर(जन्मस्थली गुफा मंदिर) परिसर में ग्राम पंचायत ने ग्रामीणों के साथ मिलकर करीब सौ फुट ऊंचा पाइप पर कई मीटर चौड़ा तिरंगा फहराया। इस दौरान वहां पर मौजूद सभी लोगों ने सदा ऊंचा रहे तिरंगा हमारा के गगनभेदी नारे भी लगाए। साथ ही लोगों का मुंह मिठा करवाया। इस मौके पर बाबा परमहंस सेवा दल एवं तिगड़ाना गौशाला के प्रधान व भाजपा के वरिष्ठ नेता परमजीत सिंह मड्डू ने कहा कि तिरंगा झंडा ही नहीं हमारे देश के गौरव का प्रतीक एवं शान भी है। हमेशा तिरंगे का सम्मान करते रहे है। इसी क्रम में आज गांव के मंदिर में करीब सौ फुट की ऊंचाई पर बड़ा तिरंगा झंडा फहराया गया है। इसके बाद मंदिर परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का श्रृंगारण करते हुए कहा कि ज्योदा से ज्योदा पेड़ लगाकर ही पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। साथ ही उन्होंने बच्चों के जन्मदिन तथा महापुरुषों की स्मृति में कार्यक्रमों



भिवानी। मंदिर परिसर में ध्वजारोहण करते हुए।

का आयोजन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे सरपंच सुरेंद्र दहिया एवं राजेश प्रधान ने भी तिरंगा झंडे की शान में कसीदे पढ़े।

भिवानी के खिलाड़ियों ने बढ़ाया देश का गौरव: जितेन्द्र भोलू

भिवानी। मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मिनी क्यूबा के रूप में भिवानी की खेल प्रतिष्ठा में देश को विश्व स्तर पर एक बार फिर से गौरवान्वित किया है। यह बात छात्र संघर्ष समिति के सदस्य एवं पूर्व छात्र नेता जितेन्द्र भोलू ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कही। उन्होंने कहा कि अब भिवानी के मुक्केबाजों ने अपने मुक्के का दम दिखाते हुए पांच स्वर्ण पदकों पर कब्ज कर यह दिखा दिया है कि यहां का युवा भारतीय सेना के साथ-साथ खेलों में भी आगे है। उन्होंने स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज साक्षी चौधरी, प्रीति पंवार, जैस्मिन लांबोरिया, प्रिया घणघस व सचिन सिवाच को बधाई दी।

पूर्व सीएम की खेल नीति बनी वरदान

कॉमनवेल्थ में झंडे गाड़ रहे हनारे खिलाड़ी

■ हुड्डा सरकार की खेल नीतियों के चलते अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लहरा रहा हरियाणा का परचम

हरिभूमि न्यूज़ ►भिवानी

पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा की दूरदर्शी और ऐतिहासिक खेल नीति का असर आज भी देश-दुनिया के खेल मैदानों पर साफ दिखाई दे रहा है। 12 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद भी हरियाणा के खिलाड़ी अंतराष्ट्रीय स्तर पर तिरंगा फहराकर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। यह बात हरियाणा कांग्रेस सेवादल के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष

अशोक कादियान ने कहा कि जब भूपेंद्र सिंह हुड्डा हरियाणा के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए अभूतपूर्व और सराहनीय नीतियां लागू की थीं। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम हुड्डा ने राज्य में पदक लाओ, पद पाओ जैसी नीतियां बनाकर खिलाड़ियों का भविष्य सुरक्षित किया। खेल दांचा मजबूत करने, नकद पुरस्कार

राशि बढ़ाने और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों में उच्च पद देने का जो सिलसिला उन्होंने शुरू किया, उसी का परिणाम है कि आज भी हरियाणा का युवा अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतने के लिए प्रेरित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा के खिलाड़ी कॉमनवेल्थ और ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंटों में भारत के कुल पदकों में सबसे बड़ा योगदान दे रहे हैं।

अशोक कादियान ने जारी प्रेस ब्यान में कही।

उन्होंने हाल ही में हुए कॉमनवेल्थ खेलों में प्रदेश के

खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और पदकों की झड़ी लगाने का श्रेय पूर्व सीएम हुड्डा सरकार की खेल नीतियों को दिया।

हलके के चार बॉक्सरों ने सोना जीतकर इतिहास में जोड़ा नया अध्याय : कपूर

गोल्डन पंच से विश्व में जमाई धाक

■ भाजपा की खेल नीतियों की बदौलत बढ़ी पदकों की चमक

हरिभूमि न्यूज़ ►भिवानी

खेलों में पदकों का जिक्र होता है तो भिवानी का नाम अग्रणी होता ही है। कॉमनवेल्थ गेम्स में भी भिवानी के बॉक्सरों ने इतिहास दोहरा दिया। इस बार बेटों ने नहीं बल्कि बेटियों ने गोल्डन पंच जड़कर देश का विश्व में नाम चमका दिया।

पहली बार अकेले बवानीखेड़ा हलके पांच स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया। अभी तक फुटबाल व अन्य खेलों में ही नाम था। पर अब हलके की चार बेटियों व



एक बेटे ने गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। भिवानी जिले में बवानीखेड़ा के पांच पदकों सहित सात धावकों व बॉक्सरों अपने अपने क्षेत्रों में पदक जीतकर भिवानी का नाम रोशन किया है। बवानीखेड़ा हलके के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने हलके के पांचों पदक विजेताओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल

भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने भाजपा की खेल नीतियों की बदौलत देश में पदकों की चमक बढ़ी है। हालही में सम्पन्न हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में मिताथल के सचिन सिवाच ने बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल जीतकर भिवानी व बवानीखेड़ा हलके का नाम रोशन किया है। गांव धनाना की बेटे प्रिया घनघस, साक्षी चौधरी, बडेसरा गांव की प्रीति पंवार तथा



कि यह भाजपा की बेहतरीन खेल नीतियों के परिणाम स्वरूप पदकों की चमक बढ़ी है। उन्होंने दावा किया कि हमारे बेटों व बेटे बॉक्सरों में दुनिया के बड़े से बड़े बॉक्सर की हरकत की हिम्मत है। चूंकि वे जबर्दस्त मेहनत के बलबूते यहां तक पहुंचे हैं। उन्होंने ऐशियन गेम्स तथा ओलंपिक गेम्स में भी इसी तरह से बवानीखेड़ा हलके के तथा भिवानी के खिलाड़ी देश की झोली में अनेक पदक लाकर डालेंगे।

भिवानी के जसमीन लम्बोरिया ने बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया। दिनोद सीमा कालीरामन ने डिस्कस श्री कांस्य



भिवानी। नशा मुक्ति अभियान चलाने की शपथ दिलाते हुए।

फोटो: हरिभूमि

नशे से दूरी बनाकर विकसित भारत का सपना हो सकेगा साकार: धर्माणी

■ कार्यक्रम में नशा मुक्ति पर कविताएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं

हरिभूमि न्यूज़ ►भिवानी

युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार एवं माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी के न्यू कैम्पस, प्रेम नगर में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम जैन-जे अगेस्ट एडिक्शन रखी गई। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने वचुअल माध्यम से किया और नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत के संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विवि के कुलगुरु प्रो. दीपति धर्माणी, कुलसचिव प्रो. भावना शर्मा, डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, एनएसएस के स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुलगुरु प्रो. दीपति धर्माणी ने विवि की खिलाड़ी सीमा सांगवान कालीरमना की जीत पर स्पोर्ट्स विभाग सहित समस्त विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई दी। कार्यक्रम में नशे के दुष्प्रभावों पर

सबसे युवा देश

कुलगुरु ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और युवा देश का भविष्य है। नशा युवाओं के जीवन एवं भविष्य को अंधकारमय बनाता है। युवाओं को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की जरूरत है। युवा नियमित व्यायाम करें।स्पोर्ट्स में रुचि लेकर योग और मेडिटेशन को अपनाएं। आज लड़कियां हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं लड़कियां लड़कों की अच्छाइयों को अपनाएं और बुराइयों से परहेज करें। उन्होंने कहा कि नशे से दूर रहकर ही हम विकसित भारत 2047 के सपने को साकार कर सकते हैं। विश्वविद्यालय युवा पीढ़ी को सकारात्मक एवं रचनात्मक दिशा देने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। डीन प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि हम सब मिलकर युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करें। डीन एकेडमिक प्रो. सुनीता भरतवाल ने कहा कि भारत सबसे युवा देश है।

विशेषज्ञों द्वारा जागरूकता सत्र, नुक्कड़ नाटक, नशा मुक्ति पर कविताएं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं युवा संवाद आयोजित किए गए। विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने परिसर में नशा मुक्ति का संदेश देते हुए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया।